RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 07 JUNE TO 13 JUNE 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 38 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

विश्व बैंक ने भारत को दी कुछ राहत, लेकिन वृद्धि दर का अनुमान घटाया
Page 2

TDS और TCS में क्या है अंतर? कब काटे जाते हैं?
Page 3

अपने ही लगाए जाम में फंसने को अभिशप्त हम
Page 5

editoria!

जलवायु संकट के जिम्मेदार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण को लेकर विकसित और विकासशील देशों की एक-दूसरे पर जिम्मेदारी थोपने की पुरानी बहस में एक बार फिर से भारत का पक्ष बस का मजबूती से रखा है. पर्यावरण दिवस पर एक महत्वपूर्ण भाषण में उन्होंने कहा कि दुनिया के चंद विकसित देशों की गलत नीतियों की कीमत, आज गरीब और विकासशील देश चुका रहे हैं. उन्होंने कहा कि बड़े देशों ने विकास के जिस मॉडल को अपनाया वह अपने आप में विरोधाभासी था, इसकी सोच ये थी- पहले तो अपने देश को विकसित कर लो और फिर पर्यावरण की चिंता करो. उन्होंने कहा कि इससे उन देशों ने तो अपने विकास का लक्ष्य हासिल कर लिया, मगर दुनिया के पर्यावरण को उसकी कीमत चुकानी पड़ी. जलवायु को बचाने की बहस में पश्चिमी देश भारत और चीन जैसी बड़ी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव बनाते रहे हैं. संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2020 में धरती के तापमान को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार कार्बन डाइऑक्साइड गैसों के उत्सर्जन के मामले में चीन पहले नंबर पर आता है. उसके बाद अमेरिका है और फिर भारत. मगर प्रति व्यक्ति उत्सर्जन के हिसाब से भारत का उत्सर्जन विश्व के औसत उत्सर्जन से कम है. हर देश ने धरती के तापमान को बढ़ाने वाली ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने का संकल्प लिया हुआ है. भारत ने वर्ष 2070 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है, यानी वह स्थिति जब देश में ऊर्जा के सभी स्रोत ऐसे हो जायेंगे, जिनसे कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन पूरी तरह बंद हो जायेगा. हालांकि, वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र के पेरिस समझौते में धरती के तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिये वर्ष 2050 तक कार्बन उत्सर्जन को शून्य करने का लक्ष्य रखा गया था. पिछले वर्ष ग्लासगो में जलवायु सम्मेलन में भारत ने एक बार फिर से वर्ष 2070 तक शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को दोहराया. जलवायु परिवर्तन पर जारी बहस में हाल के दशकों में चीन और भारत जैसे देशों को घेरने की कोशिश होती रही है कि तेजी से विकास करने की होड़ में वो कहीं पर्यावरण को तो नुकसान नहीं पहुंचा रहे. प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में इसी संदर्भ में न्याय का प्रश्न उठाते हुए कहा कि दशकों तक विकसित देशों के विकास के मॉडल पर एतराज करने के लिए कोई मौजूद नहीं था. प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत पर्यावरण पर उतनी ही गंभीरता से ध्यान दे रहा है जितना विकास से जुड़े अन्य मुद्दों पर.

रशिया से भारत खरीद रहा सबसे ज्यादा कच्चा तेल

तमाम उपायों के बाद ओपेक देशों से नहीं बढ़ रही सप्लाई

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत की ओर से रूसी कच्चे तेल का आयात महीने दर महीने बढ़ता जा रहा है। मई में इसने एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। रूस से डिस्काउंट मिलने के कारण भारतीय तेल कंपनियां लगातार रूसी कच्चा तेल की खरीद बढ़ा रही हैं। इंडस्ट्री डाटा के मुताबिक, पिछले महीने भारत ने रूस से उतना कच्चा तेल खरीदा था, जितना कि सऊदी अरब, इराक, यूएई और यूएस से मिलकर खरीदा है।

भारत ने रूस से मई में कितना कच्चा तेल आयात किया?

एनर्जी कार्गो ट्रैकर वोर्टेक्सा की ओर से दिए गए डेटा के मुताबिक, भारत ने मई में रूस से 19.6 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का आयात किया है, जो कि अप्रैल में रूस से होने वाले कच्चे तेल के आयात से 15 प्रतिशत अधिक है। यह मई में भारत की ओर से किए गए कच्चे तेल के आयात का 42 प्रतिशत था। पिछले कुछ सालों में भारत के कच्चे तेल आयात में ये किसी एक देश की ओर से प्राप्त की गई सबसे बड़ी हिस्सेदारी है।

OPEC से कितना किया भारत ने आयात?

तेल उत्पादक देशों के समूह ओपेक से भारत कच्चे तेल आयाक का 39 प्रतिशत ही आयात किया है। यह भारत का ओपेक से कच्चे तेल आयात का सबसे न्यूनतम स्तर है। एक समय भारत की ओर से आयात किया जाने वाला 90 प्रतिशत कच्चा तेल ओपेक देशों से आयात किया जाता था। ओपेक देशों की ओर से भारत को मई 18 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का निर्यात किया गया है, जो कि अप्रैल में 21 लाख बैरल प्रतिदिन था

लगातार आठ महीनों से रूस बना न.1 सप्लायर

यह लगातार आठवां महीना है जब रूस भारत के कच्चे तेल आयात में न.1 सप्लायर बना हुआ है। मई में भारतीय कच्चे तेल के आयात में रूस की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत की रही है।

अन्य देशों से भारत का कच्चा तेल आयात

मई में रूस के बाद दूसरे नंबर पर इराक रहा है। इराक ने भारत को 8.30 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का निर्यात किया है। इसके बाद सऊदी अरब ने 5.6 लाख बैरल प्रतिदिन, यूएई ने 2.03 लाख बैरल प्रतिदिन और अमेरिका ने 1.38 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का निर्यात भारत को किया है।

सऊदी अरब के तेल उत्पादन में कटौती से भारत पर क्या पड़ेगा प्रभाव?

नई दिल्ली। एजेंसी

सऊदी अरब ने रविवार को कहा था कि वह जुलाई से तेल उत्पादन में प्रतिदिन 10 बैरल की कटौती करेगा। दूसरी और ओपेक और अन्य उत्पादक देश आपूर्ति में की गई कटौती को 2024 के अंत तक बढ़ाने पर सहमत हुए। सऊदी अरब के तेल उत्पादन में कटौती करने की घोषणा से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट थम सकती है। उद्योग सूत्रों ने कहा कि ऐसे में भारत में ईंधन की कीमत समीक्षा में देरी होगी। सऊदी अरब ने रविवार को कहा था कि वह जुलाई से तेल उत्पादन में प्रतिदिन 10 बैरल की कटौती करेगा। दूसरी ओर ओपेक और अन्य उत्पादक देश आपूर्ति में की गई कटौती को 2024 के अंत तक बढ़ाने पर सहमत हुए। इस फैसले के कारण सोमवार को तेल की कीमतों में एक डॉलर प्रति बैरल से अधिक की बढ़ोतरी हुई। ब्रेंट क्रूड वायदा 78.73 डॉलर प्रति बैरल के ऊपरी स्तर पर पहुंचने के बाद शुरुआती कारोबार में 1.51 डॉलर या दो फीसद की तेजी के साथ 77.64 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

औसतन 72 डॉलर प्रति बैरल की दर से भुगतान

यह तेजी भारत के लिए आयातित कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी को पलट देगी। पिछले दिनों भारत को आयातित तेल के लिए औसतन 72 डॉलर प्रति बैरल की दर से भुगतान करना पड़ रहा था। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही थी कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती की जा सकती है।

अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतें और खुदरा बिक्री मूल्य बराबर

उद्योग के एक अधिकारी ने कहा, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां अपने नुकसान की भरपाई कर रही थीं। पिछले महीने, अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतें और खुदरा बिक्री मूल्य बराबर हो गए थे। अब कीमतें बढ़ने के साथ, लागत और बिक्री मूल्य में फिर अंतर आ जाएगा। भारत अपनी तेल जरूरतों का 85 फीसद आयात से पूरा करना है और ईंधन कीमतें अंतरराष्ट्रीय दरों से प्रभावित होती हैं। राष्ट्रीय राजधानी पेट्रोल की कीमत 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.62 रुपये प्रति लीटर है।

पेट्रोल में मिला रहे हैं, अब डीजल में भी मिलाया जाएगा इथेनॉल

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में अब आने वाले दिनों में डीजल में भी ईथेनॉल मिलाया जाएगा। भारत पेट्रोलियम कॉर्प लिमिटेड ने सोमवार को अशोक लीलैंड और हीरो मोटोकॉर्प के सहयोग से ईडी7 ईंधन मिश्रण की प्रभावशीलता का परीक्षण करने के लिए एक पायलट कार्यक्रम शुरू किया है। इसमें डीजल में 7% इथेनॉल को मिलाया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की बॉयोफ्यूल इकॉनमी में बदलाव लाना है। वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे पर इस पोग्राम की शुरुआत की गई है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्बन उत्सर्जन को कम करना है। अभी पायलट कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इसमें रोडवेज बसों में इस डीजल को डालकर इसके परिणामों का पता लगाया जाएगा। BPCL-R&D द्वारा तैयार किए गए ED7 ईंधन में 93% डीजल और 7% इथेनॉल (Ethanol) का इस्तेमाल किया गया है। इस ईंधन का अशोक लेलैंड के सहयोग से इंजन पर टेस्ट करने के बाद सत्यापन किया गया है।

बीपीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक जी. कृष्णकुमार के मुताबिक, बीपीसीएल अशोक लेलैंड और हीरो मोटोकॉर्प के सहयोग से स्वच्छ ईंधन विकास कार्यक्रम के तहत स्थायी ईंधन विकल्प विकसित कर रहा है। स्थायी ईंधन विकल्प विकसित करने की दिशा में BPCL ने देश भर के कई शहरों में E20 की आपूर्ति शुरू कर दी है। अशोक लीलैंड की बसों के लिए पायलट ईडी7 (7% इथेनॉल के साथ मिश्रित डीजल) और हीरो मोटोकॉर्प के साथ दोपहिया वाहनों के लिए फ्लेक्स फ्यूल (ई27 और ई85) को आज हरी झंडी दिखाई गई है। इस विश्व पर्यावरण दिवस पर बीपीसीएल बेहतर कल के लिए स्वच्छ ईंधन की ओर बढ़ने का प्रयास कर रहा है।

बीपीसीएल के निदेशक सुखमल जैन के मुताबिक, ED7 (7% इथेनॉल के साथ मिश्रित डीजल) कृषि आबादी की आर्थिक समृद्धि और भारत की जीडीपी में इसके योगदान को बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण को बेहरत बनाने की एक महत्वाकांक्षी पहल है। अशोक लेलैंड ने ED7 ईंधन का इस्तेमाल अपने इंजनों पर करके देखा है। ईडी 7 पार्टिकुलेट मैटर और नाइट्रोजन ऑक्साइड (NOx) सहित प्रदूषण के स्तर को कम करने में सक्षम है। इसके अच्छे परिणाम मिले हैं। इंजन में किसी भी बदलाव के बिना इस मिश्रण को डीजल वाहनों द्वारा मूल रूप से अपनाया जा सकता है। पायलट कार्यक्रम के बाद, ईंधन के व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए एआरएआई, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को एक रिपोर्ट पेश की जाएगी।

फ्लेक्स-फ्यूल प्रोटोटाइप विकसित किया

हीरो मोटोकॉर्प ने जयपुर में अपने सेंटर ऑफ इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (सीआईटी) में फ्लेक्स-फ्यूल प्रोटोटाइप विकसित किया है। 125cc BS6 इंजन से लैस वाहन, इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल मिश्रण पर 20% (E20) से 85% (E85) इथेनॉल मिश्रणों पर चल सकता है। BPCL, Ashok Leyland, और HERO MOTOCORP की पहल ने कार्बन उत्सर्जन को कम करने और आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने की तैयारी की है। बता दें कि भारत पेट्रोलियम अगले 5 वर्षों में करीब 7000 ऊर्जा स्टेशनों पर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन पेश करने की योजना पर काम कर रहा है।

डॉलर के मुकाबले तेजी के साथ बंद हुआ रुपया, 5 पैसे की हुई बढ़त

नई दिल्ली। एजेंसी

बुधवार को बाजार में रुपया डॉलर के मजबूत रहा। विदेशी बाजार में रुपया ने मजबूती के साथ ट्रेड किया। डॉलर के मुकाबले रुपया 5 पैसे बढ़कर 82.55 पर बंद हुआ। इंटरबैंक फॉरन एक्सचेंज में, डॉलर के मुकाबले रुपया 82.56 पर खुला था, लेकिन बंद होते हुए रुपया 5 पैसे की बढ़त के साथ 82.55 पर बंद हुआ। दिन के दौरान में रुपये ने डॉलर के मुकाबले 82.46 के उच्च और 82.57 के निचले स्तर को छुआ। डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत गिरकर 104.02 पर आ गया।

क्रूड ऑयल की कीमत

कल डॉलर के मुकाबले रुपया में कारोबार सपाट रहा था। कल रुपया में 1 पैसे की मामूली बढ़त देखने को मिली थी। जिसके साथ रुपया 82.62 पर बंद हुआ। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.51 प्रतिशत बढ़कर 76.68 डॉलर प्रति बैरल हो गया। शेयर बाजार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 350.08 अंक या 0.56 प्रतिशत बढ़कर 63,142.96 अंक पर बंद हुआ और व्यापक एनएसई निफ्टी 127.40 अंक या 0.68 प्रतिशत बढ़कर 18,726.40 अंक पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को 385.71 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

मौद्रिक नीति का एलान

आरबीआई की मौद्रिक नीति समेती की बैठक कल से शुरू हो गई है। बैठक में लिये गए फैसलों का एलान कल होगा। इस बार फिर से उम्मीद की जा रही है कि रेपो रेट में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं होगा। फिलहाल रेपो दर 6.25 फीसदी है। अगर इस बार भी रेपो रेट में कोई बदलाव किया जाता है, तो इसका असर लोन और उसकी ईएमआई पर देखने को मिलेगा।

वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए खतरे की घंटी

विश्व बैंक ने भारत को दी कुछ राहत, लेकिन वृद्धि दर का अनुमान घटाया

नई दिल्ली। एजेंसी

विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अपने अनुमान को घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। यह विश्व बैंक के जनवरी में लगाए गए पिछले अनुमान से 0.3 प्रतिशत अंक कम है। इसके साथ ही विश्व बैंक ने मंगलवार को कहा कि भारत में निजी उपभोग और निवेश में अप्रत्याशित जुझारूपन देखने को मिल रहा है। साथ ही सेवाओं की वृद्धि भी मजबूत है। विश्व बैंक ने वैश्विक आर्थिक संभावनाओं पर अपनी ताजा रिपोर्ट में यह अनुमान जताया है। इसमें कहा गया है कि 2023 में वैश्विक वृद्धि दर घटकर 2.1 प्रतिशत रहेगी, जो 2022 में 3.1 प्रतिशत रही थी।

उभरती अर्थव्यवस्थाएं भी संकट में

चीन के अलावा उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) में वृद्धि दर पिछले साल के 4.1 प्रतिशत से कम होकर इस वर्ष 2.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह वृद्धि दर में व्यापक गिरावट को दर्शाता है. विश्व बैंक ने कहा, ''वित्त वर्ष 2023-

24 में भारत में वृद्धि दर और धीमी होकर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है. यह जनवरी के अनुमान से 0.3 प्रतिशत अंक कम है.'' विश्व बैंक समूह के नव-नियुक्त अध्यक्ष अजय बंगा ने कहा, ''गरीबी को कम करने और समृद्धि के प्रसार का सुनिश्चित तरीका रोजगार है। वृद्धि दर धीमी होने का मतलब है कि रोजगार सृजन भी मुश्किल होगा।''

बदला जा सकता है अनुमान

इसके साथ ही उन्होंने कहा, 'यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि वृद्धि दर के अनुमान 'नियति' नहीं हैं. हमारे पास इसे बदलने का अवसर है, लेकिन इसके लिए हम सभी को मिलकर काम करने की जरूरत होगी.' भारतीय मूल के अजय बंगा ने शुक्रवार को ही विश्व बैंक के अध्यक्ष का पदभार संभाल था. विश्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में वृद्धि दर में सुस्ती की वजह ऊंची मुद्रास्फीति और कर्ज की लागत बढ़ने की वजह से निजी खपत का प्रभावित होना है.

भारत उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सबसे बड़ी इकोनॉमी

रिपोर्ट के मुताबिक, ''मुद्रास्फीति के संतोषजनक दायरे के मध्य बिंदु तक आने तथा सुधारों की वजह से वित्त वर्ष 2025-26 में वृद्धि दर कुछ रफ्तार पकड़ेगी. उभरती प्रमुख विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) में भारतष्ठदुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा.'' विश्व बैंक ने कहा है कि भारत में 2023 की शुरुआत में वृद्धि महामारी पूर्व के दशक में हासिल स्तर से कम रही. इसकी वजह यह है कि ऊंचे मूल्य और कर्ज की लागत बढ़ने से निजी निवेश प्रभावित हुआ. हालांकि, 2022 की दूसरी छमाही में गिरावट के बाद 2023 में विनिर्माण क्षेत्र की स्थिति सुधर रही है.

रिजर्व बैंक के एमपीसी की बैठक आज से शुरू

आठ जून को आएगा रेपो रेट पर फैसला

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक मंगलवार से शुरू हो रही है। प्रत्येक दो महीने के अंतराल पर होने वाली इस बैठक में नीतिगत ब्याज दरों में बदलाव पर चर्चा की जाएगी। अप्रैल महीने में हुई पिछली बैठक में नीतिगत ब्याज दरों या रेपो रेट में बदलाव नहीं किया गया था। हालांकि, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने उस दौरान कहा था कि ये फैसला बस इस मीटिंग के लिए लिया गया है और जरूरी नहीं है कि ब्याज दरों को आगे भी इसी तरह रखा जाए। जरूरत पड़ने पर इसे फिर से बढ़ाया भी जा सकता है। ऐसे में जून महीने की एमपीसी मीटिंग में यह देखना दिलचस्प होगा कि रेपो रेट पर केंद्रीय बैंक क्या फैसला लेता है और गवर्नर शक्तिकांत दास आठ जून क्या बड़ा एलान करते हैं?

इस बार भी रेपो रेट अपरिवर्तित रख सकता है आरबीआई

आर्थिक जगत के जानकारों का मानना है कि केंद्रीय बैंक इस बार की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में भी रेपो रेट को अपरिवर्तित रख सकता है। आरबीआई फिलहाल महंगाई को कम करने की कोशिशों में जुटा है और उसमें सफलता भी मिली है। एमपीसी की पिछली बैठक के बाद से इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि आरबीआई फिलहाल ब्याज दरों को स्थिर रखकर अगले वित्तवर्ष इसमें कमी करना शुरू कर सकता है।

फरवरी महीने में 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया था रेपो रेट

मई 2022 से फरवरी 2023 तक RBI ने रेपो रेट में 2.50% की बढ़ोतरी की गई थी। अप्रैल में हुई मीटिंग में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया था और इसे 6.50% पर स्थिर रखा गया। लागतार छह बार रेपो रेट बढ़ाने के बाद अप्रैल में इसे 6.5 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा गया। फिलहाल रिवर्स रेपो रेट 3.35%, बैंक रेट 5.15% और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी रेट 6.75ञ पर है।

क्या है रेपो रेट और रिवर्स रेपो रेट?

रेपो रेट- रेपो रेट वह दर होती है जिस पर RBI बैंकों को कर्ज देता है। बैंक इस कर्ज से ग्राहकों को लोन देते हैं। रेपो रेट कम होने का मतलब है कि बैंक से मिलने वाले कई तरह के कर्ज, जैसे होम लोन, कार लोन इत्यादि सस्ते हो जाएंगे। वहीं अगर रेपो रेट बढ़ाया जाता है तो इस तरह के लोन ग्राहकों के लिए महंगे हो जाएंगे।

रिवर्स रेपो रेट- वहीं रिवर्स रेपो रेट रेपो रेट से उलट होता है। यह वह दर होती है जिस पर बैंकों को उनकी ओर से आरबीआई में जमा राशि पर ब्याज मिलता है। रिवर्स रेपो रेट बाजार में नकदी की तरलता को नियंत्रित करने में काम आती है। बाजार में जब भी बहुत ज्यादा नकदी दिखाई देती है, आरबीआई रिवर्स रेपो रेट बढ़ा देता है, ताकि बैंक ज्यादा ब्याज कमाने के लिए अपनी रकम उसके पास जमा करा दें।

TDS और TCS में क्या है अंतर? कब काटे जाते हैं?

ITR फाइल करने से पहले समझ लें

नई दिल्ली। एजेंसी

क्या आप जानते हैं डीटीएस और टीसीएस के बीच क्या अंतर होता है। किसको कौन से भरना होता है। आज हम आपको इसी के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। टैक्स डिडक्शन ऐट सोर्स (Tax deduction at source-TDS) और टैक्स कलेक्शन ऐट सोर्स (Tax collection at source- TCS) टैक्स वसूल करने के दो तरीके हैं. TDS का मतलब स्रोत पर कटौती है. TCS का मतलब स्रोत पर टैक्स कलेक्शन से है. दोनों ही मामलों में रिटर्न फाइल करने की जरूरत होती है।

बता दें कि आयकर विभाग ने इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की अंतिम डेट अनाउंस कर दी गई है और कुछ आइटीआर फॉर्म भी ऑनलाइन, ऑफलाइन उपलब्ध कराए जा चुके हैं. यदि तय डेट के भीतर आइटीआर फाइल करने से चूके तो आयकर विभाग मोटा जुर्माना लगा सकता है. आयकर विभाग के अनुसार वेतनभोगी व्यक्तियों और जिन करदाताओं के खातों का ऑडिट करने की आवश्यकता नहीं है उनके लिए 31 जुलाई 2023 अंतिम तिथि घोषित की गई है. इस तिथि तक टैक्सपेयर्स ऑनलाइन या ऑफलाइन तरीके से आइटीआर फाइल कर सकते हैं.

क्या होता है TDS?

अगर किसी की कोई आय होती है तो उस आय से टैक्स काटकर अगर व्यक्ति को बाकी रकम दी जाए तो टैक्स के रूप में काटी गई रकम को टीडीएस कहते हैं. सरकार टीडीएस के जरिए टैक्स जुटाती है. यह अलग-अलग तरह के आय स्रोतों पर काटा जाता है जैसे सैलरी, किसी निवेश पर मिले ब्याज या कमीशन आदि पर. पेमेंट करने वाले व्यक्ति या संस्था (कंपनी) पर टीडीएस भरने की जिम्मेदारी होती है. अगर आपकी सैलरी से कटा ऊअए आपकी कुल टैक्स देनदारी से ज्यादा है तो वह ष्ऊँ इग्त्हु के जरिए वापस कर दिया जाता है.

क्या होता है TCS?

ऊण्ए टैक्स कलेक्टेड ऐट सोर्स होता है. इसका मतलब स्रोत पर एकत्रित टैक्स (इनकम से इकट्ठा

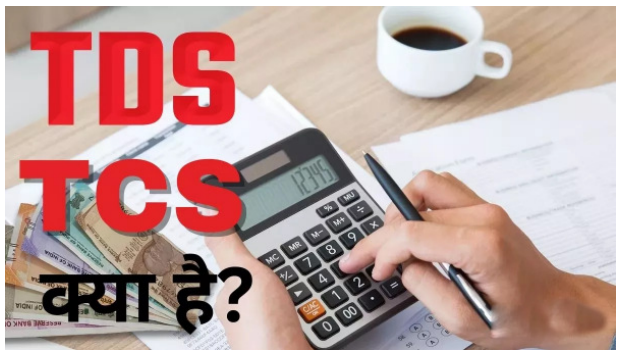

किया गया टैक्स) होता है. यह टैक्स कुछ खास प्रकार की वस्तुओं के सौदे पर लगता है. जैसे शराब, तेंदू पत्ता, इमारती लकड़ी, स्क्रैप, मिनरल्स वगैरह. सामान की कीमत लेते वक्त, उसमें टैक्स का पैसा भी जोड़कर ले लिया जाता है और सरकार के पास जमा कर दिया जाता है. वसूलने के बाद इसे जमा करने का काम सेलर या दुकानदार का ही होता है. इनकम टैक्स एक्ट की धारा 206C में इसे कंट्रोल किया जाता है.

10 लाख रुपये तक है इनकम तो इतना देना होगा टैक्स

नई दिल्ली। आईपीटी न्यूज नेटवर्क

टैक्स रिटर्न दाखिल करने की शुरुआत हो चुकी है। लोग 31 जुलाई 2023 तक वित्त वर्ष 2022-23 की कमाई के लिए आईटीआर दाखिल कर सकते हैं। वहीं इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने के लिए कुछ बातों को ध्यान में भी रखना होता है। साथ ही लोगों को उनकी इनकम के हिसाब से टैक्स दाखिल करना होता है। ऐसे में आपको इनकम को लेकर अहम बात बताने वाले हैं। दरअसल, लोगों की इनकम पिछले कुछ सालों में काफी बढ़ी है।वहीं प्राइवेट नौकरियों में लोग ग्रोथ के लिए जॉब भी स्विच कर देते हैं। ऐसे में लोगों की सैलरी में भी इजाफा हो जाता है। वहीं अलग-अलग सैलरी के लिहाज से ही लोगों को टैक्स दाखिल करना होता है।

नया टैक्स रिजीम

वित्त वर्ष 2023 पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से कई अहम ऐलान किए गए थे। इन ऐलान में वित्त मंत्री ने नए टैक्स रिजीम में टैक्स स्लैब में बदलाव करने की भी घोषणा की थी। इसके साथ ही इस साल टैक्स दाखिल करें तो अपनी इनकम टैक्स स्लैब का भी ध्यान रखें। ऐसे में अगर आपकी इनकम 10 लाख रुपये से कम है तो आपके लिए क्या स्लैब लागू होगी वो भी आपको जान लेनी चाहिए।

इनकम टैक्स स्लैब

अगर आपको नए टैक्स रिजीम के तहत इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करना है तो 3-6 लाख रुपये सालाना इनकम पर 5 फीसदी, 6-9 लाख रुपये सालाना इनकम पर 10 फीसदी, 9-12 लाख रुपये सालाना इनकम पर 15 फीसदी, 12-15 लाख रुपये सालाना इनकम पर 20 फीसदी और 15 लाख रुपये से ज्यादा इनकम पर 30 फीसदी इनकम टैक्स चुकाना होगा।

टैक्स स्लैब

वहीं अगर पुराने टैक्स रिजीम के तहत 60 साल से कम उम्र के लोगों को इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करना है तो 2.5 लाख रुपये से 5 लाख रुपये सालाना इनकम पर 5 फीसदी टैक्स, 5-10 लाख रुपये सालाना की इनकम पर 20 फीसदी और 10 लाख रुपये से ज्यादा सालाना की इनकम पर 30 फीसदी इनकम टैक्स चुकाना होगा।

उद्योगपतियों और बरदरी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन ने राज्यपाल पटेल का किया सम्मान

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

शहर के उद्योगपतियों व बरदरी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन द्वारा राज्यपाल मंगू भाई पटेल का सम्मान किया गया। उद्योगपतियों ने राज्यपाल से बरदरी इंडस्ट्री एरिया के आसपास एक हरा भरा गार्डन बनाने की मांग की। शहर के उद्योगपति व युवा समाजसेवी लक्की अवस्थी ने बताया कि इंदौर आए मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल को शहर के उद्योगपतियों और ब्रदर इंडस्ट्री एसोसिएशन के सदस्यों ने अशोक स्तंभ देकर सम्मानित किया। साथ ही जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट और सांसद शंकर लालवानी का भी सम्मान किया। उद्योगपतियों ने राज्यपाल मंगू भाई पटेल और जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट से बरदरी इंडस्ट्री एरिया के आसपास एक हरा भरा गार्डन बनाने की मांग की। इस अवसर पर विजय कासट, राजन बावेचा,रूपेश सिंहल, जितेंद्र दोषी,राजकुमार मोरिया,लक्की अवस्थी, अशोक मानावत, गोपाल यादव सहित अन्य मौजूद थे।

पैरासिटामोल कंबिनेशन समेत 14 तरह की दवाओं पर रोक, इंसानों के लिए खतरनाक, जानिए कौन-कौन हैं लिस्ट में

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने 14 फिक्स्ड डोज कंबिनेशन (FDCs) ड्रग्स पर पाबंदी लगा दी है। इनमें निमेसुलाइड (Nimesulide) और पैरासिटामोल (Paracetamol) डिसपरिसबल टैबलेट्स, क्लोफेनिरेमाइन मेलिएट (Chlopheniramine Maleate) और कोडीन सिरप (Codeine Syrup) शामिल है। सरकार का कहना है कि इन दवाओं का इस्तेमाल इंसान के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इन दवाओं के वितरण, निर्माण और बिक्री पर रोक लगा दी गई है। सरकार ने जारी एक नोटिफिकेशन में यह बात कही। सरकार ने एक्सपर्ट कमेटी की सिफारिशों के आधार पर यह कदम उठाया है। आमतौर पर बुखार, सिर दर्द, माइग्रेन, मसल्स पेन, दांतों में दर्द, ऑर्थराइटिस पेन, स्पॉन्डाइलिट्स, ऑस्टियोऑर्थराइटिस, पीरियड का दर्द आदि में निमेसुलाइड और पेरासिटामोल की कंपोजिशन वाली दवाई ली जाती है। इन दवाओं के मनमाने इस्तेमाल से लीवर, किडनी और हार्ट की समस्याएं पैदा हो सकती है।

LIC ने ओडिशा रेल हादसा पीड़ितों को दी बड़ी राहत

क्लेम प्रोसेस को बनाया आसान, फोन नंबर किया जारी

नई दिल्ली। एजेंसी

देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी (LIC) ने बालासोर ट्रेन हादसे (Balasore Train Accident) के पीड़ितों के लिए बीमा क्लेम सेटलमेंट प्रोसेस के लिए कई तरह की छूट देने का ऐलान किया है। ओडिशा के बालासोर में दो यात्री ट्रेनों और एक मालगाड़ी के बीच हुई भीषण दुर्घटना ने 288 लोगों की जिंदगी छीन ली। इस हादसे में 1000 से अधिक लोग घायल हो गए। एलआईसी ने इस हादसे के शिकार लोगों के लिए क्लेम को आसान बनाने का ऐलान किया गया है। क्लेम सेटलमेंट प्रोसेस को आसान बनाया गया है।

सरकार के स्वामित्व वाली भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने ट्रेन दुर्घटना पीड़ितों के नामिती/कानूनी उत्तराधिकारियों द्वारा दायर किए जाने वाले दस्तावेजों में छूट की घोषणा की है, लेकिन दो निजी कंपनियों द्वारा ऐसी कोई सार्वजनिक घोषणा नहीं की गई है। सामान्य बीमाकर्ता, जिन्होंने ओडिशा में दुर्घटना का शिकार हुई दो एक्सप्रेस ट्रेनों के यात्रियों को कवर किया है। इसी तरह, एलआईसी जैसी कोई घोषणा निजी जीवन बीमा कंपनियों और क्षेत्रीय नियामक की ओर से नहीं आई है।

दुखद ट्रेन दुर्घटना में दो यात्री ट्रेनें और एक मालगाड़ी आपस में टकरा गईं, जिससे कम से कम 288 लोगों की मौत हो गई और लगभग 1,000 लोग घायल हो गए। जो लोग इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) के टिकट बुकिंग पोर्टल के माध्यम से ट्रेन टिकट आरक्षित करते हैं, वे 0.35 पैसे के मामूली प्रीमियम का भुगतान करके 10 लाख रुपये के दुर्घटना बीमा का विकल्प चुन सकते हैं।

पॉलिसी यात्रा के दौरान ट्रेन दुर्घटना के कारण मृत्यु/विकलांगता/

चिकित्सा व्यय को कवर करती है। आईआरसीटीसी ने यात्रा बीमा कवर की पेशकश के लिए एसबीआई जनरल इंश्योरेंस और लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस का चयन किया है। जबकि लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस ने अपनी वेबसाइट पर दावा करने के लिए एक फोन नंबर और एक ईमेल आईडी दी है, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस या आईआरसीटीसी वेबसाइट के होम पेज पर ऐसी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।

एलआईसी के अध्यक्ष सिद्धार्थ मोहंती ने घोषणा की कि एलआईसी नीतियों और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के दावेदार रेलवे अधिकारियों, पुलिस या किसी भी राज्य या केंद्र सरकार के अधिकारियों द्वारा प्रकाशित हताहतों की सूची पेश कर सकते हैं, उसे पंजीकृत मृत्यु प्रमाणपत्र के बदले मृत्यु के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा। मोहंती के अनुसार, दावा संबंधी प्रश्नों का जवाब देने और दावेदारों को सहायता प्रदान करने के लिए मंडल और शाखा स्तर पर एक विशेष हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे कि दावेदारों तक पहुंचा जाए और प्रभावित परिवारों के दावों का तेजी से निपटारा किया जाए। मोहंती ने कहा कि दावेदार एलआईसी को 02268276827 पर भी कॉल कर सकते हैं।

लोग अब पूछ रहे हैं कि आईआरसीटीसी या भारत सरकार यात्रियों को ट्रेन में सफर करने करने के लिए मुफ्त में बीमा कवर क्यों नहीं देती। पूर्व सांसद के.सी. पलानीसामी ने आईएएनएस को बताया, आईआरसीटीसी या भारत सरकार 35 पैसे चार्ज करने के बजाय वैध टिकट रखने वाले सभी ट्रेन यात्रियों को बीमा कवर की पेशकश कर सकती है। बीमा उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम जाहिर न करने की शर्त पर आईएएनएस को बताया, जो कुछ भी पचास पैसे से कम है, उसे कम राशि में बदल दिया जाता है। इसी तरह आईआरसीटीसी मुफ्त में बीमा कवर की पेशकश कर सकता है या इसके माध्यम से बुक किए गए सभी टिकटों के साथ इसे बंडल कर सकता है। उन्होंने कहा कि आईआरसीटीसी ने कुछ साल पहले अपने पोर्टल पर टिकट बुक करने वाले यात्रियों को दुर्घटना बीमा कवर देना शुरू किया था। उन्होंने कहा, शुरुआत में प्रीमियम 0.98 पैसे था और अब यह घटकर 0.35 पैसे रह गया है। बीमा अधिकारी ने कहा, जबकि जोखिम कवरेज और बीमा कवर खरीदने में आसानी अच्छी है, नामांकन सुविधा थोड़ी बोझिल है। शायद आईआरसीटीसी के पास एक कॉलम हो सकता है, जब कोई व्यक्ति बीमा कवर का विकल्प चुनता है।

IPL के फाइनल मुकाबले में जियो सिनेमा ने बनाया रिकॉर्ड

3.2 करोड़ लोगों ने Jio पर देखा मैच

नई दिल्ली। एजेंसी

आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) 2023 के आधिकारिक डिजिटल स्ट्रीमिंग पार्टनर जियो सिनेमा ने सोमवार को वर्ल्ड डिजिटल व्यूअरशिप का रिकॉर्ड तोड़ दिया। आईपीएल का फाइनल मैच 3.2 करोड़ लोगों ने एक साथ देखा, जो दुनिया में लाइव स्ट्रीमिंग इवेंट का सबसे ज्यादा व्यूअरशिप है। फाइनल में चेन्नई सुपर किंग्स बनाम गुजरात टाइटन्स थे।

आईपीएल 2023 के क्वालीफायर 2 के दौरान, गुजरात टाइटन्स और मुंबई इंडियंस के बीच पहली पारी में शुभमन गिल द्वारा शानदार शतक देखने के लिए जियो सिनेमा पर एक साथ 2.57 करोड़ दर्शक मैच देखने आए, जो एक रिकॉर्ड बन गया था। आईपीएल के पूर्व डिजिटल स्ट्रीमिंग पार्टनर डिज्नी हॉटस्टार ने जुलाई 2019 में एक क्रिकेट मैच के लिए एक साथ 2.5 करोड़ से अधिक दर्शकों को आकर्षित किया था। यह रिकॉर्ड कई सालों तक कोई तोड़ नहीं पाया था।

इतना ही नहीं, 17 अप्रैल को, लगभग 2.4 करोड़ दर्शक एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर से हाई ऑक्टेन रन चेज के खिलाफ एम.एस. धोनी की सीएसके को सपोर्ट करने के लिए एक साथ आए। जियो सिनेमा ने डिजिटल स्पोर्ट्स व्यूइंग की दुनिया में ग्लोबल बेंचमार्क स्थापित करना जारी रखा है। इस साल के आईपीएल के पहले सात हफ्तों में 1,500 करोड़ से अधिक वीडियो देखे गए। आईपीएल के 16वें एडिशन में, चेन्नई सुपर किंग्स ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में बारिश से प्रभावित फाइनल में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर पांचवां आईपीएल खिताब जीता।

ओडिशा ट्रेन एक्सीडेंट पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया रिलायंस फाउंडेशन

10 बड़ी राहत के साथ नौकरी देने का ऐलान

नई दिल्ली। एजेंसी

ओडिशा में हुए रेल हादसे में बड़ी संख्या में लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। इस हादसे के बाद दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी और नीता अंबानी आगे आए हैं। अंबानी समूह के रिलायंस फाउंडेशन ने पीड़ितों की मदद के लिए कई तरह की राहतों की घोषणाएं की है। नीता अंबानी ने कहा है कि इस कठिन समय में वह प्रभावितों के साथ मजबूती से खड़े हुए हैं। रिलायंस फाउंडेशन ने 10 सूत्रिय राहत पैकेज की घोषणा की है। इन राहतों में 6 महीने का फ्री राशन, दवाइयां और मृतक के आश्रित को नौकरी आदि शामिल हैं। रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर और चेयरपर्सन नीता अंबानी ने बालासोर में हुई रेल दुर्घटना पर दुख जताया है।

हर तरह की मदद का ऐलान

रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर और चेयरपर्सन नीता अंबानी ने दुख जताते हुए कहा कि वह भारी मन से उन परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हैं। उन्होंने कहा कि दुखद ट्रेन दुर्घटना में जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है वह उनके साथ खड़ी हैं। कहा कि इस त्रासदी के कारण

हुए दुख को कम नहीं कर सकती लेकिन वह शोक संतप्त परिवारों की मदद करने को पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। कहा कि इस कठिन समय में हम प्रभावितों के साथ मजबूती से खड़े हैं।

जरूरी सामान करा रहे उपलब्ध

इस दुर्घटना के बाद से बालासोर में मौजूद, रिलायंस फाउंडेशन की टीम आपदा प्रबंधन टीम बालासोर कलेक्टरेट और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल के साथ समन्वय में काम कर रही है। रिलायंस फाउंडेशन घायलों को निकाल कर एंबुलेंस तक पहुंचाने में मदद करना, मास्क, दस्ताने, ओआरएस, बेडशीट, रोशनी और बचाव के लिए अन्य आवश्यक चीजें जैसे गैस कटर आदि तुरंत उपलब्ध करा रही है।

राहत पैकेज का किया ऐलान

- जियो-बीपी नेटवर्क से आपदा से निपटने वाली एंबुलेंसों को मुफ्त ईंधन
- रिलायंस स्टोर्स के माध्यम से प्रभावित परिवारों को अगले छह महीनों के लिए आटा, चीनी, दाल, चावल, नमक और खाना पकाने के तेल सहित मुफ्त राशन आपूर्ति का प्रावधान
- घायलों के तत्काल स्वास्थ्यलाभ की जरूरतों को पूरा करने के लिए उनके लिए मुफ्त दवाएं
- दुर्घटना के कारण अस्पताल में भर्ती होने वाले लोगों के लिए चिकित्सा उपचार
- भावनात्मक और मनोचिकित्सिय परामर्श सेवाएं।
- जरूरत पड़ने पर मृतक के परिवार के एक सदस्य को जियो और रिलायंस रिटेल के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना
- व्हीलचेयर, कृत्रिम अंग सहित विकलांग लोगों के लिए सहायता का प्रावधान
- रोजगार के नए अवसर खोजने के लिए प्रभावित लोगों के लिए विशेषज्ञ कौशल प्रशिक्षण
- उन महिलाओं के लिए माइक्रोफाइनेंस और प्रशिक्षण के अवसर जिन्होंने अपने परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य को खो दिया हो
- दुर्घटना से प्रभावित ग्रामीण परिवारों को वैकल्पिक आजीविका सहायता के लिए गाय, भैंस, बकरी, मुर्गी जैसे पशुधन प्रदान करना
- शोक संतप्त परिवार के सदस्य को एक वर्ष के लिए मुफ्त मोबाइल कनेक्टिविटी, जिससे वह अपनी आजीविका का पुनर्निर्माण कर सकें।

अपने ही लगाए जाम में फंसने को अभिशप्त हम

राजकुमार जैन
स्वतंत्र विचारक

देश की सड़कों पर ट्रेफिक जाम लगना एक रोजमर्रा की समस्या बन चुका है, दशकों बीत जाने के बाद भी इस समस्या का स्थाई हल किसीको नहीं सूझ रहा है। कौन ज़िम्मेदार है रोज रोज, जगह जगह लगने वाले इस जाम के लिए। पूछिए किसी से भी, जवाब मिलेगा दोषी है सरकार, पुलिस, प्रशासन, नगर पालिका, व्यवस्था, रोड इंजीनियरिंग, दूसरे वाहन चालक, सड़कों के गड्ढे, खराब ट्रेफिक सिगनल, गलत स्पीड ब्रेकर, गलत रोड डिवाइडर, गलत रोड मार्किंग आदि आदि, बस मुझे छोड़कर हर कोई दोषी है इस समस्या के लिए।

आइए इसको सिलसिलेवार ढंग से समझते हैं। 1947 में आजादी मिलने से पहले हम सदियों तक गुलाम रहे थे। आजादी के अंतिम संघर्ष में हम अंग्रेज सरकार के खिलाफ थे। कई दशकों तक चले इस खूनी संघर्ष को क्रांति कहा गया इस दौरान हम सब सरकार को कोसते थे, अंग्रेजों के बनाए नियमों को तोड़ते थे (सही या गलत दोनों को) और ऐसा करने वाले को सम्मान और गौरव के साथ क्रांतिकारी कहा जाता था। सरकार से संघर्ष करना, सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों पर हमला करना, पुलिस के प्रति घृणा और शत्रुता का भाव रखना, नियम कायदों की अवज्ञा करना एक राष्ट्रीय गौरव की बात समझी जाती थी।

सदियों से हम यही करते आए थे और आज स्वतंत्रता मिलने के 75 वर्षों बाद भी हम भारतीयों के अवचेतन में वही गुलाम मानसिकता छुपी है। आज भी हम सरकार, उसके कारिंदों, पुलिस आदि के प्रति अच्छे भाव नहीं रखते। आज भी नियमों को तोड़ने और कानून को ठेंगा दिखाने में गर्व और गौरव महसूस किया जाता है।

आज ट्रेफिक के नाम पर शहर की सड़के निर्लज्ज, स्वार्थी और धूर्त, फैंसी भाषा में कहें तो स्मार्ट वाहन चालकों से अटी पड़ी है। अधिकतर वाहन चालक येन केन प्रकरेण स्मार्टनेस दिखाकर अपने आगे वाले वाहन से आगे निकलने के लिए दाए, बाए जहां भी जरा भी जगह दिखाई पड़े वहां अपना वाहन घुसाकर सबसे पहले निकल जाने को संघर्ष मानते हैं और इस प्रयास में सफलता को अपनी वीरता मानते हैं। बाद में अपनी मित्र मंडली में बड़े गर्व से सबको पीछे छोड़कर आगे निकल आने का किस्सा सुनाते हैं जिसे सब श्रोता मंत्रमुग्ध भाव से सुनते हैं और स्वयं भी ऐसा करने की प्रेरणा पाते हैं।

वस्तुतः देश आजाद हो जाने के बाद किसीने हमें बताया ही नहीं कि यह हमारा अपना देश है, अब हमारी अपनी सरकार है और अपनी सरकार के प्रति शत्रुता का भाव रखकर उसके द्वारा बनाए गए नियमों को तोड़ना अब देशभक्ति नहीं कहलाता, अब हम क्रांतिकारी नहीं है, अब हमारी अपने देश के प्रति, राष्ट्र निर्माण के प्रति गंभीर जिम्मेदारियां है।

हम तो सदियों से सरकार से संघर्ष करते आए है। आगे भी करते रहेंगे। नागरिक बोध गया चूल्हे में, सीवीक सेंस गया भाड़ में। देश जाए गारत में। मैं सबसे आगे निकल जाऊं बस यही मेरा एकमात्र ध्येय है। उसके लिए मुझे चाहे लात बत्ती को बत्ती देना पड़े, चाहे रांग साइड में घुसना पड़े, चाहे दूसरी या तीसरी या चौथी लेन में घुसना पड़े, चाहे फुटपाथ पर वाहन चढ़ाना पड़े, चाहे किसीको गलत तरीके से ओवरटेक करना पड़े, चाहे जो भी करना पड़े मै वो करूंगा।

तो सबसे पहले जरूरत है हमें स्वयं को बिगड़ने से बचाने की, अपनी संतानों को विकृत होने से बचाने की, उनमें अच्छे संस्कार रोपने की, उनको अच्छी शिक्षा देने की। गलत को गलत कहने की। यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है जिससे हम सब पूरी बेशर्मी से मुंह छुपाते आए है और आगे भी छुपाते रहेंगे और यूं ही संघर्ष करते रहेंगे अनादि काल तक। रहती दुनिया तक हम सब बुरे लोग मिलकर एक अच्छी दुनिया के निर्माण के झूठे सपने देखते रहेंगे। और यूं ही अपने ही लगाए स्वनिर्मित जाम में फंसते रहेंगे। यही हमारी नियति है ... शायद।

तेजी से बढ़ रही भारत की यह इकॉनमी

2030 तक 1 लाख करोड़ डॉलर के होगी पार

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत की डिजिटल इकॉनमी 2030 तक छह गुना बढ़कर एक ट्रिलियन डॉलर यानी एक लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच सकती है। इसमें सबसे बड़ा योगदान ई-कॉमर्स सेक्टर (e-Commerce Sector) का होगा। मंगलवार को गूगल, टेमासेक और ब्रैन एंड कंपनी की ओर से जारी की गई एक जाइंट रिपोर्ट में यह दावा किया गया। 'द ई-कोनॉमी ऑफ ए बिलियन कनेक्टेड' रिपोर्ट में कहा गया है कि टियर-2 शहरों में इंटरनेट एक्टिविटी का तेजी से विस्तार होना, कंस्यूमर और बिजनस के लगातार विकास के चलते 2030 तक यह मुमकिन हो सकेगा। भविष्य में ज्यादातर सामान ऑनलाइन ही खरीदा जाएगा।

भारत अपने डिजिटल दशक में

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत अपने 'डिजिटल दशक' में है। इसकी इंटरनेट इकॉनमी मौजूदा दशक के अंत तक अपने उअ्र के 12-13% तक बढ़ जाएगी, जो अभी 4-5% पर है। दिन-ब-दिन बढ़ती ऑनलाइन एक्टिविटी, खासकर टीयर-2 शहरों में, ने भारत को दुनिया की कुछ सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से काफी आगे कर दिया है। टेमासेक के मैनेजिंग डायरेक्टर विशेष श्रीवास्तव ने बताया कि मौजूदा समय में भारत वर्ल्ड की GDP के लिए ग्रोथ का नया इंजन है और दुनिया को भारतीय अर्थव्यवस्था से उम्मीदें हैं।

इन सेक्टरों में तेजी के संकेत

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की डिजिटल इकॉनमी 2022 में 155-175 अरब डॉलर थी। आने वाले समय में ई-कॉमर्स के और सॉफ्टवेयर प्रोवाइडर के साथ ऑनलाइन मीडिया सेगमेंट में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, B2C ई-कॉमर्स का मार्केट 5 से 6 गुना बढ़कर 2030 तक 350 से लेकर 380 अरब डॉलर का हो सकता है। 2022 में फिलहाल यह 60 से 65 अरब डॉलर का है। "2" ई-कॉमर्स 13 से 14 गुना बढ़कर 105-120 अरब डॉलर हो गया है, जो कि 2022 में 8 से 9 अरब डॉलर का था। सॉफ्टवेयर सर्विस सेगमेंट 5 से 6 गुना बढ़कर 65-75 अरब डॉलर का हो सकता है, जो 2022 में 12 से 13 अरब डॉलर का था। गूगल इंडिया के मैनेजर और वाइस प्रेजिडेंट संजय गुप्ता ने बताया गया कि स्टार्टअप्स ने डिजिटल शिफ्ट को भारत में मजबूत करने का काम किया है। वहीं, छोटी, मध्यम और बड़ी साइज की कंपनियों को कोरोना महामारी के बाद समझ में आ गया है कि डिजिटल टेक्नॉलजी का इस्तेमाल करके ही आगे बढ़ा जा सकता है। आधार कार्ड, ळइ्ष और डिजिलॉकर जैसी सर्विस भारत की इंटरनेट इकॉनमी में संभावनाओं को अनलॉक करने में मदद रही हैं। ग्लोबल लेवल पर भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाया जाना देश डिजिटल टेक्नॉलजी के लीडर के तौर पर पेश कर रहा है।

एआई से नौकरियों पर आ सकता है बड़ा संकट

आईएमएफ की डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर ने दी बड़ी चेतावनी

नई दिल्ली। एजेंसी

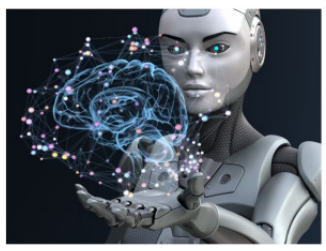

इस समय पूरी दुनिया में एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। एआई को लगातार पहले से और ज्यादा एडवांस बनाया जा रहा है। इस तकनीक से काफी काम आसान हुए हैं। वहीं कम समय में पूरे किए जा रहे हैं। कंपनियां एआई का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने लगी हैं। भारतीय मूल की जानी मानी अर्थशास्त्री और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर चिंता जताई है। गीता गोपीनाथ ने बड़ी चेतावनी दी है। गीता के मुताबिक, एआई से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने आगाह किया है कि नई तकनीक से नौकरियों पर संकट आ सकता है। इसके लिए अभी से नियम बनाने की जरूरत है। गीता गोपीनाथ ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण नौकरियों में कमी आने की चेतावनी दी है।

नौकरियों पर पड़ेगा असर

आईएमएफ की डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ के मुताबिक, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के चलते आने वाले दिनों में लेबर मार्केट में कई प्रकार की समस्यायें खड़ी हो सकती है। उन्होंने पॉलिसीमेकर्स से इस टेक्नोलॉजी को नियंत्रित करने के लिए जल्द से जल्द नियम बनाने की अपील की है। गीता गोपीनाथ ने इस साक्षात्कार में यह बात कही है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि सरकारें, संस्थाएं और पॉलिसीमेकर्स रेग्यूलेशन बनाने के साथ लेबर मार्केट में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के चलते पैदा होने वाले व्यवधान से निपटने के लिए जल्द से जल्द तैयारी शुरू कर दें।

सतर्क रहने की जरूरत

गीता गोपीनाथ के मुताबिक, सरकारों को एक ऐसी टैक्स पॉलिसी तैयार करनी चाहिए, जिससे ऐसी कंपनियों को बढ़ावा न मिले जो कर्मचारियों के बदले मशीनों का इस्तेमला करते हों। ऐसी कंपनियों से गीता ने पॉलिसीमेकर्स को सतर्क रहने के लिए कहा है। उनके मुताबिक, नई टेक्नोलॉजी के मामले में चुनौती देना असंभव है। उन्होंने कहा कि सरकारों को सोशल सेफ्टी नेट्स को बढ़ावा देना चाहिए। कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए।

रातोंरात किस्मत चमका सकता है तांबे का लोटा, बरसेगा धन

हिंदू धर्म में तांबे के लोटे को शुभ धातुओं में से एक माना जाता है। यह सेहत के लिए तो अच्छा होता ही है, इसके अलावा यह आपकी आर्थिक तंगी, नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में भी मदद करता है। मानसिक, शारीरिक समस्याओं से निजात पा सकता है। ज्योतिष शास्त्र में तांबे को लेकर कई उपाय बताए गए हैं। इस आर्टिकल में हम उन उपायों के बारे में जानेंगे।

मानसिक तनाव से निजात

तांबे का लोटा आपकी आर्थिक और मानसिक तनाव संबंधी समस्याओं को दूर कर सकता है। इसके लिए आपको ये उपाय करना होगा। इसके लिए आप रोजाना सोने से पूर्व तांबे के लोटे में पानी भरकर सिरहाने रखकर सो जाए। फिर सुबह उठकर इस जल को घर में लगे किसी पौधे में डाल दें। आप चाहे, तो पानी में थोड़ा सा लाल चंदन भी डाल सकते हैं। इससे अपनी मानसिक समस्या दूर होगी।

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन
प्रदेश प्रवक्ता

नहीं रुकता पैसा तो करें ये उपाय

यदि आप पैसों की तंगी की समस्या से परेशान हैं, तो तांबे के लोटे का ये उपाय कर सकते हैं। तांबे के लोटे में जल भर रोजाना सूर्य को अर्घ्य दें। ऐसा लगातार 40 दिनों तक करना होगा। इससे कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है और पैसों की तंगी से छुटकारा मिल जाता है।

गृह-क्लेश से निजात

यदि घर में झगड़े होते रहते हैं। पति-पत्नी या परिवार के किसी न किसी सदस्य से विवाद होता रहता है, तो तांबे का लोटा का एक उपाय ये गृह-क्लेश शांत करवा सकता है। इसके लिए तांबे के लोटे में जल भरकर प्रतिदिन तुलसी के पौधे में अर्पित करें। ऐसा करने से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होगी और सकारात्मक का प्रभाव बढ़ेगा। इसके साथ ही मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होगी।

सुख समृद्धि के लिए ये उपाय

घर में सुख-समृद्धि का आगमन नहीं हो रहा है, तो आप ये उपाय कर सकते हैं। सुबह स्नान के बाद एक तांबे का लोटा लें और इसमें सिंदूर और चावल डालकर सूर्य भगवान को चढ़ाएं।

सूर्य और मंगल की स्थिति मजबूत

यदि आपकी कुंडली में मंगल और सूर्य की स्थिति कमजोर है और आप इसे मजबूत करना चाहते हैं, तो ये उपाय अपनाए। आप तांबे के लोटे में जल लेकर पीपल के पेड़ में अर्पित करें। ऐसा करने से आपको लाभ मिलेगा। यह उपाय मीन और धनु राशि के जातक करें, तो विशेष फलों की प्राप्ति हो सकती है।

वैदिक ज्योतिष शास्त्र में इन नक्षत्रों को माना गया है बेहद अशुभ

जानें मनुष्य जीवन पर इनका प्रभाव

श्री रघुनंदन जी
9009369396
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन द्वारा गोल्ड मेडलिस्ट

वैदिक ज्योतिष शास्त्र में नक्षत्रों का विशेष महत्व बताया गया है। धर्म ग्रंथों में नक्षत्रों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। नक्षत्रों का अध्ययन करने के बाद ही ज्योतिषीय विश्लेषण किया जाता है। नक्षत्र के प्रभाव से किसी भी व्यक्ति का जीवन बदल सकता है। नक्षत्रों का जीवन पर अशुभ प्रभाव न पड़े इसी वजह से लोग उनसे संबंधित ग्रहों की पूजा-पाठ और कई तरह के उपाय करते हैं। आइये जानते हैं वैदिक ज्योतिष शास्त्र में किन नक्षत्रों को बेहद अशुभ माना गया है।

सनातन धर्म शास्त्रों के अनुसार नक्षत्रों की कुल संख्या 27 है। पुराणों के अनुसार 27 नक्षत्रों की पहचान राजा दक्ष प्रजापति की बेटियों के तौर पर है। पौराणिक काल में ऋषि मुनियों ने आसमान का विभाजन 12 भागों में कर दिया था, जिन्हें 12 अलग-अलग राशियों के नाम से जाना जाता है। इन राशियों के सूक्ष्म अध्ययन के लिए उन्होंने इसको 27 भागों में बांट दिया, जिन्हें नक्षत्र कहा जाता है। एक राशि के भीतर लगभग 2.25 नक्षत्र आते हैं। सभी नक्षत्रों के अपने शासक ग्रह और देवता होते हैं।

इन नक्षत्रों को माना गया है बेहद खराब

वैदिक ज्योतिष शास्त्र में आश्लेषा, मघा, कृतिका और भरणी नक्षत्र को सबसे अशुभ माना गया है। इन नक्षत्रों में किसी भी प्रकार के मांगलिक और शुभ कार्य नहीं करना चाहिए। इस नक्षत्र में जन्में जातक का भविष्य सामान्य होता हैं और उसके भविष्य पर इस नक्षत्र का कोई बुरा प्रभाव नही पड़ता है। भरणी नक्षत्र का स्वामी शुक्र है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार कृतिका नक्षत्र का स्वामी सूर्य ग्रह है। आश्लेषा नक्षत्र के स्वामी ग्रहों के राजकुमार बुध देव और मघा नक्षत्र का स्वामी केतु ग्रह है। इन खराब नक्षत्रों की वजह से बने बनाए काम भी बिगड़ जाते हैं।

अगर आपकी हथेली पर भी बन रहे हैं ये योग

जीवनभर नहीं होगी कभी पैसों की कमी

श्री रोशनी शर्मा
9265235662
हस्त रेखा एवं फेस रीडर
(ज्योतिषाचार्य)

हथेली को पढ़कर लक्षण का वर्णन और भविष्य बताने की कला है जिसे हस्तरेखा अध्ययन या हस्तरेखा शास्त्र भी कहा जाता है। इस कला का प्रयोग कई सांस्कृतिक विविधताओं के साथ दुनिया भर में देखा जाता है। जो हस्तरेखा पढ़ते हैं,उन्हें आम तौर पर हस्तरेखाविद्, हस्तरेखा विश्लेषक या हस्तरेखा शास्त्री भी कहा जाता है। हस्तरेखा मान्यताओं के अनुसार, हथेली की रेखाओं से व्यक्ति के भविष्य के बारे में पता लगाया जा सकता है। रेखाएं व्यक्ति के जीवन का भविष्य दर्शाती हैं । ऐसा माना जाता है कि हमारी रेखाएं

हर दिन बदलती है और व्यक्ति के कर्मों के अनुसार उसे उसका फल भी मिलता है। कुछ जातक की हथेली पर ऐसी रेखाएं भी होती है, जो जातक को धनवान बनाती है। आइए जानते हैं हस्तशास्त्र के अनुसार हथेली में छिपी ऐसी रेखाओं के बारे में जो शुभ योग का निर्माण करता है और व्यक्ति को धनवान बनाता है।

हथेली में बन रहे ये योग बना सकते हैं आपको धनवान धनपति योग

हस्तरेखा विज्ञानं के अनुसार अगर आपकी हथेली पर जीवन रेखा भाग्यरेखा से दूर है,तो ये धनपति योग बनाता है। जिस व्यक्ति की हथेल्ली पर ऐसी रेखा होती है वो बहुत भाग्यशाली और धनी होते हैं ।

लक्ष्मी योग

यदि आपकी हथेली पर शुक्र पर्वत पर कमल का चिह्न है तो ऐसे व्यक्ति धन के साथ पद प्रतिष्ठा भी प्राप्त करते हैं। इतना hi नहीं ये अपने साथ रहने वाले लोगों का भी भाग्योदय करने का सामर्थ्य रखते हैं ।

भाग्यलक्ष्मी योग

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार के अगर किसी व्यक्ति की हथेली पर भाग्य रेखा सूर्य पर्वत पर आकर रुक जाए, तो ये भाग्यलक्ष्मी योग बनाता है। ऐसे लोगों को सभी प्रकार के सुख की प्राप्ति होती है और इनके जीवन में मान- सम्मान हो या सुख-समृद्धि किसी भी चीज़ की कमी नहीं रहती ।

बुधवार के दिन करेंगे ये 8 आसान उपाय, तो दूर होंगे सारे कष्ट

भगवान गणेश की बरसेगी कृपा

बुधवार के दिन भगवान गणेश जी का पूजन किया जाता है. भगवान गणेश जी का किसी भी पूजन व शुभ कार्य में विशेष महत्व है. मान्यता है कि गणेश जी के बिना कोई भी शुभ कार्य सफल नहीं होता और इसलिए सबसे पहले उनकी पूजा की जाती है. बुधवार के दिन गणपति जी का व्रत रखने के साथ विधि-विधान से पूजा करने का विधान है. मान्यता है कि इस दिन जो व्यक्ति भगवान गणेश जी की पूजा अर्चना करता है बप्पा उसके सभी कष्ट हर लेते लेते हैं और उसकी सभी इच्छाएं पूरी करते हैं. इसके अलावा आज के दिन यदि कुछ ज्योतिष उपाय किए जाएं, तो बिजनेस से लेकर नौकरी में काफी सफलता मिलती है. सिर्फ इतना ही नहीं धन-दौलत में भी वृद्धि होती है. चलिए जानते हैं कि बुधवार के दिन मतलब आज कौन से उपाय करना शुभ होता है.

बुधवार के उपाय

1- बुधवार के दिन गणेश मंदिर जाकर गणेश जी को गुड़ का भोग लगाएं. ऐसा करने से गणपति के साथ माता लक्ष्मी भी प्रसन्न होगी, जिससे घर में कभी भी धन-धान्य की कमी नहीं होगी.

2- आज के दिन गणपति जी की पूजा के समय 21 दुर्वा जरूर चढ़ाएं. ऐसा करने से गणेश जी जल्दी प्रसन्न होते हैं.

3- बुधवार के दिन गाय को हरी घास खिलाएं. इससे आर्थिक उन्नति के साथ भगवान की कृपा प्राप्त होगी और जीवन में आने वाली हर समस्या से छुटकारा मिलेगा.

4- बुधवार के दिन मां दुर्गा की आराधना करें. इसके अलावा नियमित रूप से 'ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे' मंत्र का जाप 108 बार जरूर करें.बुध दोष से मुक्ति मिलेगी.

5- आज के दिन भगवान श्री गणेश के मस्तक में सिंदूर लगाएं फिर इसके बाद अपने माथे में लगाएं. इससे आपको हर काम में सफलता मिलेगी.

6- बुधवार के दिन कनिष्ठा उंगली में पन्ना धारण करें. ऐसा करने से अगर कुंडली में बुध की स्थिति कमजोर है,तो वह मजबूत होगी. इसे धारण करने से पहले ज्योतिष से जरूर सलाह लें.

7- बुधवार के दिन ऊँ गं गणपतये नमः', या श्री गणेशाय नमः' इस मंत्र का जाप अवश्य करें.इससे आपके जीवन में आने वाले सभी संकट दूर होंगे.

8-अगर आपकी कुंडली में बुध ग्रह कमजोर है तो आज किसी जरूरतमंद व्यक्ति को हरी मूंग या फिर हरे रंग के वस्त्र का दान करें,इससे आपको लाभ मिलेगा.

500 से अधिक शहरों में 5200 बसों के नेटवर्क के साथ रेडबस

मध्य प्रदेश में बस टिकटों की ऑनलाईन बिक्री को दोगुना करने का लक्ष्य

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

बस ऑपरेटरों के साथ साझेदारी के द्वारा रेडबस मध्य प्रदेश में रोज़ाना 5200 बसों के लिए ऑनलाईन बुकिंग सेवाएं उपलब्ध कराती है और 500 से अधिक नगरों को जोड़ते हुए राज्य के दूर-दराज के इलाकों को भी कनेक्ट करती है। मध्य प्रदेश में सड़कों एवं कनेक्टिविटी में सुधार और बढ़ते डिजिटलीकरण के चलते बस यात्रा एवं ऑनलाईन टिकट सेवाओं में तेज़ी से बढ़ोतरी हुई है।

दुनिया के अग्रणी ऑनलाईन बस टिकट प्लेटफॉर्म रेडबस ने बताया कि कंपनी 31 मार्च, 2023 तक मध्य प्रदेश में 400 बस ऑपरेटरों और 5200 दैनिक बसों के साथ 500 से अधिक नगरों को जोड़ चुकी है। सड़कों की बुनियादी ढांचे में सुधार, हाईवे कनेक्टिविटी और तेज़ी से बढ़ते डिजिटलीकरण के चलते मध्य प्रदेश रेडबस के लिए तेजी से विकसित होता क्षेत्र बन गया है। कंपनी अपनी ऑनलाईन बुकिंग सर्विसेज़ के साथ राज्य के हर जिले को जोड़ चुकी है।

मध्य प्रदेश कंपनी के लिए विशेष क्षेत्र है, जहां राज्य के सड़क परिवहन निगम के अभाव में प्राइवेट बस ऑपरेटर ही इंटरसिटी बस सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। ये प्राइवेट ऑपरेटर मध्य प्रदेश में और आस-पास के राज्यों के शहरों को कनेक्ट करते हैं। मध्य प्रदेश में बस से इंटरसिटी यात्रा करने वाले यात्री रोज़ाना 2 करोड़ किलोमीटर की दूरी तय करते हैं, ऐसे में मध्य प्रदेश, देश में बस से सबसे ज़्यादा यात्रा करने वाले राज्यों में से एक है।

रेडबस पर मौजूद बसें मध्य प्रदेश के 500 से अधिक नगरों को एक दूसरे के साथ जोड़ती हैं, इनमें 14 किलोमीटर (शुजलपुर से अकोड़िया) की छोटी दूरी के इंटरसिटी बस रूट से लेकर 733 किलोमीटर (इंदौर से रेवा) तक के लम्बे रूट शामिल हैं। मध्य प्रदेश के सभी प्रमुख पर्यटन (पन्ना, पंचमढ़ी और खजुराहो) एवं तीर्थस्थल (उज्जैन, मंदसौर और ओमकारेश्वर) बसों के द्वारा भली-भांति कनेक्टेड हैं।

रेडबस के सीईओ प्रकाश संगम ने कहा - 'मध्य प्रदेश की वृद्धि, राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार और अनुकूल विनियमों के चलते बस परिवहन उद्योग के लिए अपार संभावनाओं को लेकर हम बेहद उत्साहित हैं। बढ़ते डिजिटलीकरण के साथ हमने हाल ही में कई नए ऑपरेटरों को अपने साथ जोड़ा है और आने वाले समय में भी राज्य में विस्तार के प्रयास जारी रखेंगे, ताकि उनकी डिजिटल मौजूदगी को बढ़ाने में मदद कर सकें।

इंतजार हो गया खत्म, बस आ ही गया मॉनसून

भीषण गर्मी से मिलेगी राहत, होगी बारिश

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

भारत समेत देश के विभिन्न हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है। लोग बेसब्री से मॉनसून का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे लोगों के लिए मौसम विभाग खुशखबरी लेकर आया है। घ्श्ऊ ने बताया है कि अगले 48 घंटों में केरल में मॉनसून पहुंच जाएगा। यानी कि झमाझम बारिश शुरू हो जाएगी। इसके बाद धीरे-धीरे मॉनसून दक्षिण से उत्तर भारत व अन्य हिस्सों की ओर बढ़ेगा।

हालांकि, अब भी कई राज्यों में भीषण गर्मी का कहर है। बिहार-झारखंड, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में अगले चार से पांच दिनों तक हीटवेव की स्थिति बरकरार रहेगी। वहीं, चक्रवाती तूफान 'बिपोरजॉय' तेजी से गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया है। इससे केरल में मानसून की धीमी शुरुआत होने और उसके दक्षिणी प्रायद्वीप के आगे कमजोर प्रगति करने का पूर्वानुमान है।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले पांच दिनों के दौरान केरल, लक्षद्वीप, तटीय और दक्षिण इंटीरियर कर्नाटक, नॉर्थ इंटीरियर कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश होगी। सात से नौ जून के बीच अंडमान और निकोबार द्वीप, केरल में सात से 11 जून, तमिलनाडु में सात जून, लक्षद्वीप में 9 से 11 जून, कर्नाटक में 10 और 11 जून को भारी बरसात होने जा रही है।

हालांकि, अब भी कई राज्यों में भीषण गर्मी का कहर है। बिहार-झारखंड, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में अगले चार से पांच दिनों तक हीटवेव की स्थिति बरकरार रहेगी। वहीं, चक्रवाती तूफान 'बिपोरजॉय' तेजी से गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया है। इससे केरल में मानसून की धीमी शुरुआत होने और उसके दक्षिणी प्रायद्वीप के आगे कमजोर प्रगति करने का पूर्वानुमान है।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले पांच दिनों के दौरान केरल, लक्षद्वीप, तटीय और दक्षिण इंटीरियर कर्नाटक, नॉर्थ इंटीरियर कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश होगी। सात से नौ जून के बीच अंडमान और निकोबार द्वीप, केरल में सात से 11 जून, तमिलनाडु में सात जून, लक्षद्वीप में 9 से 11 जून, कर्नाटक में 10 और 11 जून को भारी बरसात होने जा रही है।

अनमोल इंडिया लिमिटेड ने शेयर होल्डर्स बोनस इश्यू के साथ लाभांवित

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सप्लाई चेन मैनेजमेंट, कमोडिटी ट्रेडिंग और कोयला आयात के अग्रणी खिलाड़ियों में से एक अनमोल इंडिया लिमिटेड (BSE: 542437, NSE: ANMOL) ने 4:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दी है, अर्थात नियत तारीख पर कंपनी के शेयरधारकों द्वारा धारित हर 1 इक्विटी शेयर के लिए उन्हें 4 इक्विटी शेयर बोनस में दिए जाएंगे, उनकी मंजूरी के बाद। बोर्ड ने कंपनी की ऑथोराइज़्ड शेयर कैपिटल में मौजूदा 11.50 करोड़ रुपये से 57 करोड़ रुपये तक की वृद्धि को भी मंजूरी दी और इसके परिणाम स्वरूप कंपनी के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन के कैपिटल क्लॉज में बोनस जारी करने संबंधी बदलाव किए गए है।

इससे पहले, अनमोल इंडिया लिमिटेड ने 31 मार्च 2023 को समाप्त तिमाही में और वित्तीय वर्ष 2022-23 में शानदार कमाई होने की घोषणा की थी। अनमोल इंडिया का नेतृत्व कर रहे श्री विजय गोयल के पास कोयला उद्योग में 37 वर्षों का अनुभव है। हाल ही में, आईएसबी के पूर्व छात्र श्री चक्षु गोयल भी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के रूप में शामिल हुए हैं और तब से उन्होंने कंपनी के विकास को गति देने के लिए विभिन्न डिजिटल इनिशिएटिव की शुरुआत की है। कमोडिटी व्यापार के लिए एंड-टू-एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट दृष्टिकोण को अपनाते हुए कंपनी में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है।

एसबीआई लाइफ ने सहारा इंश्योरेंस के विलय ने किया इंकार

सिर्फ बीमा देनदारियों और संपत्तियों का अधिग्रहण

नई दिल्ली। एजेंसी

सहारा समूह की बीमा कंपनी सहारा इंडिया लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को लेकर भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने बड़ा बयान दिया है। एसबीआई लाइफ ने स्पष्ट कर दिया कि वो कंपनी का मर्ज़र नहीं कर रही है। एसबीआई लाइफ ने इसे विलय कहने से इंकार करते हुए कहा है कि यह सिर्फ संपत्तियों का हस्तांतरण है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अनुषंगी एसबीआई लाइफ ने सहारा लाइफ इंश्योरेंस के पॉलिसीधारकों की देनदारियों और संपत्तियों के हस्तांतरण पर कहा है कि यह दो कंपनियों का विलय नहीं है। बीमा नियामक इरडा ने शुक्रवार को एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी को सहारा इंडिया लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एसआईएलआईसी) की लगभग दो लाख बीमा की देनदारी के साथ-साथ संपत्तियों का तत्काल प्रभाव से अधिग्रहण करने का निर्देश दिया। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने सहारा इंडिया लाइफ इंश्योरेंस कंपनी की बिगड़ती वित्तीय स्थिति को देखते हुए एक बैठक में यह निर्णय लिया। इरडा के आदेश के बाद एसबीआई लाइफ ने लगभग दो लाख बीमा देनदारियों को उच्च स्तरीय सेवा और प्रतिबद्धता से देखने का आश्वासन दिया, जैसे वह 'अपने ग्राहकों को देखता है।'

एसबीआई ने कहा, 'हम इन सभी बीमाधारकों को अपने तंत्र में एकीकृत करने की प्रक्रिया पर तेजी से काम कर रहे हैं। जहां पूर्ण एकीकरण में कुछ समय लग सकता है, हम इन बीमाधारकों से अनुरोध करते हैं कि वे हमारे हेल्पलाइन नंबर पर हमसे संपर्क करें या हमें ईमेल करें। बयान के अनुसार, एसबीआई लाइफ जल्द ही इन बीमाधारकों से संपर्क करेगा और सुगम लेनदेन के लिए संबंधित सूचना देगा।

एसर ने भारत में गूगल टीवी की शानदार श्रृंखला पेश की

नई श्रृंखला में किफायती क्यूलेड और ओलेड टीवी हैं

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

इंडकल टेक्नॉलॉजीज़ ने भारत में एसर की ओर से गूगल टीवी श्रृंखला के लॉन्च की घोषणा नई दिल्ली में एक भव्य के समारोह के साथ की। इसमें विभिन्न आकारों, डिस्प्ले टेक्नॉलॉजी, और मूल्यों में विस्तृत उत्पाद श्रृंखला का प्रदर्शन किया गया। किया गया। यहाँ घोषित उत्पादों में ओलेड डिस्प्ले के साथ फ्लैगशिप ओ सीरीज़ तथा बड़े वूफर्स के साथ 60 वॉट के स्पीकर स्पीकर सिस्टम ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। ओलेड टीवी दो आकारों, 55 इंच और 65 इंच वैरिएंट में पेश किए जाएंगे।

ध्यान आकर्षित करने वाले अन्य उत्पादों में वी सीरीज़ में एक क्रांतिकारी किफायती क्यूलेड श्रृंखला भी शामिल है, जिसके द्वारा है, जिसके द्वारा ग्राहकों को किफायती मूल्य में क्यूलेड डिस्प्ले का आनंद लेने का मौका मिलेगा। इससे पहले क्यूलेड टीवी भारत भारत में एक बड़ी आबादी के लिए बहुत महंगे होते थे। सबसे अच्छा आकर्षण 32 इंच का एंट्री क्यूलेड वैरिएंट था, जिसके अलावा 43 इंच, 50 इंच और 55 इंच के सामान्य वैरिएंट भी थे।

यहाँ लॉन्च किए गए अन्य उत्पादों में आई और जी सीरीज़ के वैल्यू सेगमेंट के उत्पाद थे, जो कुछ सर्वश्रेष्ठ विशेषताओं, जैसे विशेषताओं, जैसे एमईएमसी, डॉल्बी एटमॉस और विज़न, एवं यूएचडी अपस्केलिंग तथा हाई-ब्राईटनेस और कॉन्ट्रैस्ट के साथ साथ अन्य ब्रांडों के प्रीमियम उत्पादों को टक्कर देते हैं। इन उत्पादों का एक बड़ा आकर्षण 32 इंच और 40 इंच के आई सीरीज़ सीरीज़ वैरिएंट्स में 16 जीबी की इंटरनल मैमोरी है, जो उद्योग का अग्रणी फीचर है, और अन्य ब्रांड के इस आकार के टीवी में टीवी में मौजूद नहीं है। लॉन्च कार्यक्रम में एक अन्य आकर्षण संपूर्ण उत्पाद श्रृंखला में बेहतर साउंड का अनुभव है। आई सीरीज़ में 32 इंच और 40 इंच और 40 इंच के मॉडल्स में 30 वॉट के स्पीकर और 43 इंच, 50 इंच, 55 इंच, 65 इंच एवं 75 इंच के आकारों के यूएचडी मॉडलों में 36 वॉट और 40 वॉट के स्पीकर दिए गए हैं।

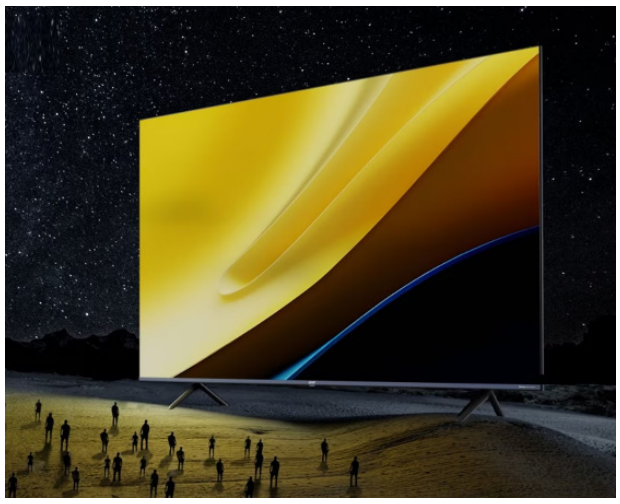

वायट्रिस का नाम 2023 लिंक्डइन टॉप कंपनीज़ लिस्ट में दर्ज

ग्रेट वर्कप्लेस और कर्मचारियों का बेहतर अवसर देने के लिए मिली यह मान्यता

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत 2023 बायटिस इंक (नैस्डैकः बीटीआरएस) दुनिया की प्रमुख स्वास्थ्य सेवा कंपनी ने यह घोषणा की - है कि वायट्रिस इंडिया को 2023 लिंक्डइन टॉप कंपनीज़ लिस्ट में 9वां स्थान दिया गया है। टॉप 25 कंपनियों में नाम दर्ज करने वाली यह पहली फार्मा कंपनी है जिसे यह सम्मान कर्मचारियों को सहायक और प्रगतिशील कार्य परिवेश देने की प्रतिबद्धता के लिए दिया गया। इस परिवेश में करियर का बेहतर विकास और तरक्की होती है। यह मान्यता मिलना इसका प्रमाण है कि कंपनी के कार्य परिवेश में सभी के समावेश और विविधता पर जोर दिया जाता है और वायट्रिस अपने कर्मचारियों को उनकी पूरी क्षमता से ऊंचाई पर पहुंचने में सक्षम बनाती है। 2023 के लिए लिंक्डइन न्यूज द्वारा तैयार लिंक्डइन सालाना टॉप कंपनीज लिस्ट 8 स्तंभों पर आधारित हैः तरक्की करने की क्षमता, कौशल विकास, कंपनी में स्थिरता, बाहरी अवसर कंपनी से लगाव, महिलाओं को बराबरी का दर्जा, शैक्षिक पृष्ठभूमि और देश में कर्मचारियों की उपस्थिति। इन स्तंभों में प्रत्येक उनके करियर की प्रगति का एक अहम पहलू प्रकट करता है। वायट्रिस इंडिया इन सभी स्तंभों से संबंधित लिंक्डइन के डेटा के अनुसार कर्मचारियों को करियर में प्रगति करने में सक्षम बनाती है। इसके परिणामस्वरूप यह भारत के प्रतिस्पर्धी जॉब मार्केट में एक असाधारण इम्प्लायर का दर्जा पा चुकी है।

इस विशिष्ट मान्यता पर एचवार प्रमुख ग्लोबल ऑपरेशंस इंडिया इमर्जिंग एशिया एंड एक्सेस मार्केट्स उद्धव गंजू ने - कहा, लिंक्डइन की टॉप कंपनीज लिस्ट 2023 में हमारा नाम देखना बहुत खुशी की बात है। हमारा यह दृ विश्वास है कि हमारी सबसे बड़ी पूंजी हमारा कार्यबल है और हम उसे काम करने का बेहतर माहौल देते हैं जिसमें सभी को निजी जीवन और प्रोफेशन में विकास का अवसर मिलता है। यह विशिष्ट सम्मान इसका प्रमाण है कि हमारे कार्मिक अथक प्रयास और प्रतिबद्धता से काम करते रहे हैं और हमारा कॉर्पोरेट कल्चर ऐसा है कि उनके अंदर सीखने और विकास करने का जुनून पैदा होता है।

शैल लुब्रिकेंट्स ने की सपने होंगे अपने पहल शुरू करने की घोषणा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

फिनिश्ड लुब्रिकेंट्स के क्षेत्र में दुनिया की दिग्गज शैल ने मैकेनिक समुदाय के लिए 'सपने होंगे अपने' पहल शुरू करने की घोषणा की है जो उनके सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद पहुंचाएगी। इस पहल को, शैल लुब्रिकेंट्स इंडिया द्वारा हाल में कराए एक आंतरिक सर्वे का भी समर्थन हासिल है जिससे यह खुलासा हुआ था कि अधिकांश मैकेनिक्स किसी ब्रैंड के साथ जुड़ाव के लिए कई भावनात्मक पहलुओं जैसे कि आमदनी (वर्कशॉप अपग्रेड), परिवार (बच्चों की पढ़ाई और घर-परिवार की जरूरतें), पहचान (मान्यता), और हुनर (उन्नत कौशल हासिल करना) से प्रेरित होते हैं। वे इन क्षेत्रों में ब्रैंड से सार्थक सहयोग की अपेक्षा रखते हैं।

अमित घुघरे, ऑटोमोटिव सेल्स एंड मार्केटिंग मैनेजर, शैल लुब्रिकेंट्स इंडिया ने कहा, शैल में हमने पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत के मैकेनिक समुदाय को सहयोग देने तथा सशक्त बनाने के प्रयास किए हैं। ये हर सफर को कामयाब बनाने के लिए अपने गहन अनुभवों, अपरिहार्य जानकारी और जबर्दस्त कार्य मूल्यों के चलते शैल के भरोसेमंद पार्टनर हैं। 'सपने होंगे अपने' उनके प्रयासों के प्रति हमारी सराहना है, और हमें उम्मीद है कि यह उन्हें और उनके परिवारों को जी-भरकर सपने देखने के लिए प्रेरित करेंगे। शैल शेयर ?प से जुड़े 80,000 से अधिक मैकेनिक्स तक पहुंचने का इरादा रखने वाली पहल सपने होंगे अपने भारत में मैकेनिक्सि को वित्तीय रूप से सशक्त बनाते हुए उनके सपनों को पूरा करने तथा भविष्य मजबूत बनाने में मदद करेगी।

ईज़माईट्रिप के 15 साल पूरे

एनिवर्सरी सेल में उड़ानों, होटल्स, बस, कैब, हॉलिडे पर मिलेगा डिस्काउंट्स

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत का सबसे बड़ा ऑनलाइन ट्रैवल टेक प्लेटफॉर्म ईज़माईट्रिप. कॉम अपनी 15वीं वर्षगांठ पर 1 जून से 10 जून 2023 तक मेगा सेल शुरू करने जा रहा है। ईज़माईट्रिप वेबसाइट और ऐप पर सेल के दौरान टिकट बुक करने पर ग्राहकों और यात्रा प्रेमियों को फ्लाइट्स, होटल्स, बस, कैब, क्रूज़ और हॉलिडे पैकेज पर डिस्काउंट के साथ और कई ऑफर्स मिलेंगें। इस एक्सक्लूसिव एनिवर्सरी सेल के दौरान, यात्री घरेलू उड़ानों पर 24%, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 40% और होटल बुकिंग पर 60% तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। ईज़माईट्रिप बस बुकिंग पर 15% तक की और कैब पर 14% तक की छूट के खास ऑफर भी पेश करेगा। ईज़माईट्रिप ब्रांड स्वयं भी हॉलिडे पैकेजेस पेश करेगा, जो सिर्फ Rs. 15,999/- से शुरू होंगे। ये ऑफर आरबीएल बैंक क्रेडिट और डेबिट कार्ड, आईडीएफसी क्रेडिट कार्ड, बैंक ऑफ बड़ौदा क्रेडिट कार्ड और यस बैंक क्रेडिट कार्ड पर वैध हैं। सेल के दौरान सबसे अधिक खर्च करने वाले ग्राहक को विभिन्न चयनित ब्रांड पार्टनर्स जैसे द मैन कंपनी, गाना, पॉकेटएफएम, स्काईबैग्स, नेटमेड्स, असेंबली, स्किविया, आईमाईआई, ग्रोफिटर, आईजीपी और कैप्रेसे से गिफ्ट वाउचर पाने का मौका मिलेगा। इन अद्भुत डिस्काउंट्स का लाभ उठाने और गिफ्ट वाउचर्स जीतने के लिए, ग्राहकों को बुकिंग करते समय कूपन कोड 'EMT15' का उपयोग करना होगा, जिससे और भी अधिक बचत संभव है।

ईज़माईट्रिप के सह संस्थापक रिकांत पिट्टी ने कहा 'हम अपने सभी ग्राहकों के बहुत आभारी हैं जिन्होंने ईजमाईट्रिप में अपना भरोसा रखा है और इतने वर्षों से हमें अपना पसंदीदा ट्रैवल पार्टनर बनाया है। यह उनका अटूट समर्थन है जिसके कारण हम इस उद्योग में 15 साल का यह महत्वपूर्ण समय बिताने में सफल रहे हैं। हम बहुत खुश हैं कि हम अपने सभी ग्राहकों को उपहार के रूप में मेगा सेल दे रहे हैं। हम असाधारण यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए समर्पित हैं और आने वाले वर्षों में अपने ग्राहकों की सेवा करने के लिए और भी अधिक समर्पण के साथ सेवाएं देने के लिए तत्पर हैं।'

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।